हरिभूमि
epaper.haribhoomi.com
Rohtak Jind - 23 Feb 2026 - Page 2

संसद का वह ऐतिहासिक संकल्प जो आज भी पीओजेके की मुक्ति का है आधार : डा. विजय कुमार

जींद। सोशल आउटरीच सेल के निर्देशक डा. विजय कुमार को सम्मानित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

संकल्प दिवस 22 फरवरी के अवसर पर एनएसएस एवं सोशल आउटरीच सैल, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद और जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में एक लेक्चर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डा. नवीन लड़वाल ने की एवं सोशल आउटरीच सेल के निर्देशक डा. विजय कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर रहे। डा. विजय कुमार ने भारत के इतिहास में 22 फरवरी जिसको संकल्प दिवस के तौर में मनाया जा रहा है उसका महत्व बताया। हमारे देश का एक बहुत बड़ा भूभाग पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। जिसे हम पीओजेके, पीओटीएल के नाम से जानते हैं और पाकिस्तान जिसे यानि आजाद कश्मीर के नाम से बुलाता है।

बताया महत्व

पाकिस्तान के कब्जे वाले हमारे क्षेत्र को लेकर 22 फरवरी 1994 को तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के दौरान देश की संसद में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। इस प्रस्ताव में यह दोहराया गया था कि पीओजेके जम्मू कश्मीर और भारत का अभिन्न अंग थाए है और सदैव रहेगा। पाकिस्तान ने 1947-48 के बाद से ही भारत के इस बड़े भूभाग पर जबरन कब्जा कर रखा है। लिहाजा इस प्रस्ताव के जरिये यह संकल्प लिया गया था कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे में लद्दाख और जम्मू कश्मीर की जो हमारी भूमि है उसे हम हर हाल में वापस लेंगे और पाकिस्तान को हमारी इस भूमि को खाली करना होगा। हालांकि 22 फरवरी यानि आज भी संसद में लिया गया वो संकल्प अधूरा है। आज संकल्प दिवस के अवसर पर हम ना सिर्फ पीओजेकेए पीओटीएल की बात करेंगे बल्कि चीन के अवैध कब्जे में जो हमारी भूमि है उस पर भी चर्चा करेंगे।

पंजाब केसरी
MON,23 FEBRUARY 2026
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 1

संसद का वह ऐतिहासिक संकल्प जो आज भी पी.ओ.जे.के. की मुक्ति का आधार है : डॉ. विजय कुमार

जींद, 22 फरवरी (ललित) : संकल्प दिवस 22 फरवरी के अवसर पर एन.एस.एस. एवं सोशल आऊटरीच सैल, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद और जम्मू-कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में एक लैक्चर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन लड़वाल ने की एवं सोशल आऊटरीच सैल के निर्देशक डॉ. विजय कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर रहे।

डॉ. नवीन ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. विजय कुमार ने भारत के इतिहास में 22 फरवरी जिसको संकल्प दिवस के तौर में मनाया जा रहा है उसका महत्व बताया। हमारे देश का एक बहुत बड़ा भू-भाग पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है, जिसे हम पी.ओ.जे.के., पी.ओ.टी.एल. के नाम से जानते हैं और पाकिस्तान जिसे यानि आजाद कश्मीर के नाम से बुलाता है।

पी.ओ.जे.के., अर्थात पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर, पी.ओटी.एल. अर्थात पाकिस्तान अधिक्रांत लद्दाख क्षेत्र। इसके अलावा चीन के कब्जे वाली हमारी भूमि जिसे सी.ओ.टी.एल. अर्थात चीन अधिक्रांत लद्दाख क्षेत्र के नाम से जानते हैं। पाकिस्तान के कब्जे वाले हमारे क्षेत्र को लेकर 22 फरवरी 1994 को

सोशल आऊटरीच सैल के निर्देशक डॉ. विजय कुमार को सम्मानित करते हुए।

तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के दौरान देश की संसद में एक प्रस्ताव पारित किया गया था।

इस प्रस्ताव में यह दोहराया गया था कि पी.ओ.जे.के. जम्मू-कश्मीर और भारत का अभिन्न अंग था, है और सदैव रहेगा। पाकिस्तान ने 1947-48 के बाद से ही भारत के इस बड़े भू-भाग पर जबरन कब्जा कर रखा है। लिहाजा इस प्रस्ताव के जरिये यह संकल्प लिया गया था कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे में लद्दाख और जम्मू-कश्मीर की जो हमारी भूमि है उसे हम हर हाल में वापस लेंगे और पाकिस्तान को हमारी इस भूमि को खाली करना होगा। हालांकि 22 फरवरी यानि आज भी संसद में लिया गया वो संकल्प अधूरा है।

आज संकल्प दिवस के अवसर पर हम न सिर्फ पी.ओ.जे.के., पी.ओ.टी.एल. की बात करेंगे बल्कि चीन के अवैध कब्जे में जो हमारी भूमि है उस पर भी चर्चा करेंगे। साथ ही पी.ओ.जे.के., पी.ओ.टी.एल. के साथ सी.ओ.टी.एल. की मुक्ति का भी संकल्प लेंगे। दरअसल जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का कुल क्षेत्रफल करीब 2,22,236 वर्ग कि.मी. है। इसमें से पी.ओ.जे.के. यानि पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर का क्षेत्रफल 13,297 वर्ग कि.मी. है।

पी.ओ.जे.के. में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के मीरपुर-मुजफ्फराबाद, भीम्बर, कोटली जैसे शहर शामिल हैं जोकि हिन्दू और सिख बहुल हुआ करते थे। जबकि पी.ओ.टी.एल.. अर्थात (पाकिस्तान अधिक्रांत क्षेत्र लद्दाख) में गिलगित और बाल्टिस्तान शामिल हैं। यह इलाका प्राकृतिक खनिजों से पूरी तरह लबरेज है। पी.ओ.टी.एल. का कुल क्षेत्रफल लगभग 64817 वर्ग किमी है।

पी.ओ.जे.के. और पी.ओ.टी.एल. मूल रूप से जम्मू-कश्मीर का एक हिस्सा है, जिसकी सीमाएं पाकिस्तान के पंजाब, उत्तर-पश्चिम, अफगानिस्तान के वखान गलियारे, चीन के शिनजियांग क्षेत्र और लद्दाख के पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान (पी.ओ.टी.एल.) में 1480 सोने की खदानें हैं, जिनमें से 123 में अयस्क है, जहां सोने की मात्रा दक्षिण अफ्रीका की विश्व प्रसिद्ध खदानों से कई गुना अधिक है। यानि यह क्षेत्र प्राकृतिक खनिजों से इतना भरपूर है कि अगर यह भारत के हिस्से में आए तो विश्व पटल पर भारत की अपनी धाक होगी।

चीन अधिक्रांत लद्दाख क्षेत्र अर्थात सी.ओ.टी.एल. का संभावित एरिया 37 हजार वर्ग कि.मी. है और इसमें 5,180 कि.मी. शक्सगाम का एरिया पाकिस्तान ने 1963 में सिनो पाक एग्रीमैंट के तहत दे दिया था। यानि चीन के कब्जे में कुल क्षेत्रफल 42,735 वर्ग किलोमीटर है। सी.ओ.टी.एल. में सिर्फ अक्साई चीन नहीं बल्कि ट्रांस काराकोरम ट्रैक्ट और मिंसर भी शामिल है।

यहां से मुख्यत: कई नदियां निकलती हैं जैसे गलवान नदी, चिपचैप नदी और कर्कस नदी आदि। लेकिन इनमें कर्कस नदी सबसे बड़ी नदी है जोकि उत्तर की ओर जाती है और इसे ब्लैक जैड और वाइट जैड रिवर कहते हैं। भारत का यह महतवपूर्ण हिस्सा आज चीन के कब्जे में है। इस मौके पर चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहे।

दैनिक भास्कर

जींद भास्कर 23-02-2026

'अक्साई चिन व शक्सगाम पर चीन का कब्जा भारत के लिए चुनौती'

जींद | चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में एनएसएस एवं सोशल आउटरीच सेल और जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को संकल्प दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन लडवाल ने की, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में सोशल आउटरीच सेल के निदेशक डॉ. विजय कुमार उपस्थित रहे। डॉ. विजय कुमार ने 22 फरवरी 1994 को संसद में पारित प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के कार्यकाल में यह सर्वसम्मति से संकल्प लिया गया था कि पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्र, जिसे वह तथाकथित आजाद कश्मीर कहता है, तथा गिलगित-बाल्टिस्तान सहित लद्दाख के हिस्सों पर अवैध कब्जा है। उन्होंने चीन अधिकृत लद्दाख का भी उल्लेख करते हुए कहा कि अक्साई चिन और शक्सगाम जैसे क्षेत्रों पर चीन का कब्जा भारत की संप्रभुता के लिए चुनौती है।

दैनिक जागरण

Date-20.02.2026

हमारे देश का बहुत बड़ा भू भाग पाकिस्तान के कब्जे में : विजय

सीआरएसयू में आयोजित लेक्चर में संबोधित करते हुए वक्ता। ● सौः सीआरएसयू

जासं ● जींद : संकल्प दिवस के अवसर पर एनएसएस व सोशल आउटरीच सेल चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय जींद और जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में लेक्चर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डा. नवीन ने की। सोशल आउटरीच सेल के निर्देशक डा. विजय कुमार मुख्य वक्ता के तौर पर रहे। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में 22 फरवरी जिसको संकल्प दिवस के तौर में मनाया जा रहा है, उसका महत्व बताया। हमारे देश का एक बहुत बड़ा भू भाग पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। पाकिस्तान के कब्जे वाले हमारे क्षेत्र को लेकर 22 फरवरी 1994 को तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार के दौरान देश की संसद में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। पाकिस्तान ने 1947-48 के बाद से ही इस बड़े भूभाग पर जबरन कब्जा कर रखा है।